टाइम्स ऑफ़ पीडिया

TIMES OF PEDIA

ٹائمس آف پیڈیا

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 20 OCT - TUE 26 OCT, 2021 | VOL. 9. ISSUE 44 | RNI No. DELMUL/2012/47011

भारत के पास राष्ट्रीय अखंडता और नैतिकता की लम्बी और बहुत पुरानी परंपरा: राष्ट्रपति

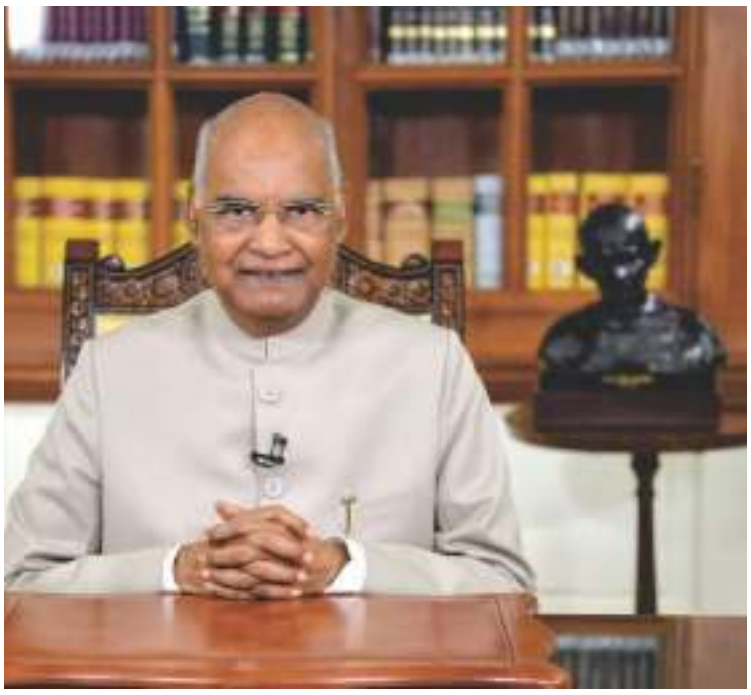

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने प्रसन्नता व्यक्त की है कि भारत के पास राष्ट्रीय अखंडता और नैतिकता की लम्बी और बहुत पुरानी परंपरा है. सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर एक संदेश में श्री कोविंद ने कहा कि इन आदर्शों को बनाये रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है. श्री कोविंद ने कहा कि सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे सतर्क रहें और जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए काम करें.

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आशा व्यक्त की है कि सभी नागरिक और हितधारक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में मिलकर काम करेंगे. श्री नायडू ने सभी से देश की अखंडता, पारदर्शिता और जवाबदेही के आदर्शों पर चलने का आग्रह किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज से शुरू हो रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी. श्री मोदी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में सरकार ने भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपनाई है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी नागरिकों को भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए स्वयं को फिर से समर्पित करना चाहिए.

आर्यन खान को मिली जमानत

ड्रग्स केस में आर्यन खान को जमानत मिल गई है. आर्यन खान को एनसीबी ने ड्रग्स केस में गिरफ्तार किया है. आर्यन खान समेत मुनमुन धमेचा, अरबाज मर्चेंट को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी जमानत. आर्यन खान आज नहीं कल या परसो जेल से बाहर निकल पाएंगे.

ASG एएसजी की दलील पर मुकुल रोहतगी का जवाब

ASG अनिल सिंह की दलीलों का जवाब देते हुए कोर्ट में आर्यन खान के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा– आर्यन–अरबाज साथ थे लेकिन नहीं पता था कि अरबाज खान के पास ड्रग्स थीं. आर्यन खान ने कोई साजिश नहीं की है. साजिश को साबित करने के लिए सबूत होने चाहिए. साजिश साबित करना मुश्किल लेकिन सबूतों का क्या? मानव और गाबा आर्यन खान को जानते थे लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया. मामले में दो लोगों को पहले ही जमानत दी जा चुकी है.

Ali Aadil Khan - Editor's Desk

आर्यन तू भी अगर ऐसा कर लेता...

मेरी दिलचस्पी आर्यन ख़ान या सुशांत राजपूत के ड्रग्स बेंम में बिलकुल भी नहीं है और न आपकी ही रूची होनी चाहिए क्योंकि celebrities की इन ख़बरों में देश के असली मुद्दे गुम हो जा रहे हैं. चर्चा ऐसे मुद्दों की हो जिनका देश की जनता सें सीधा सरोकार है, जिनका ताल्लुक देश की तरक्की और विकास से है. गरीब, आदिवासी पिछड़ा और देश के करोड़ों बेरोजगार नवजवानों और किसानों से है. देश में साम्प्रदायिक सद्भाव और आपसी भाई चारे की बात ही नहीं होती, जबकी किसी भी देश या कौम का विकास एकता और सौहार्द में छुपा है. लेकिन मसला यह है कि आज पब्लिक को भी भड़कीले और सनसनी वाले मुद्दों में ही मजा आता है और जनता की यह रुचि अत्यंत चिंता का विषय है.

अडानी के पोर्ट पर कतनह उतरता है ख़ामोशी किसी आर्यन या जिंदगी से परेशान इंसान के पेट में उतरे तो जुर्म और गिरफ्तारी. मजे की बात यह है कि शहर में सब गैर क़ानूनी धंधे पुलिस की मिली भगत से होते हैं. इलाक़े की हर गैर कानूनी Activity पुलिस के Notice में होती है, मगर जिस धंधे में उसका share नहीं वो जुर्म और जिसमें पुलिस की पत्ती वो 100 टका सही. अडानी पोर्ट पर 3000 किलो ड्रग्स किसके पेट में गया उसका पता लगाने विदेशी agencies आएँगी? क्या उसके लिए संसद में बहस की जरूरत पड़ेगी?

मीडिया को क्या करना था और क्या करने लगी? Media Houses Business House बन गए और सरकारों के प्रवक्ता बने बैठे है Anchors. यह देश की बदकिस्मती है. Israeli पेगासस Software Case में निजता के अधिकार पर सरकार का अड़ियल रवैय्या देश के हित में नहीं है. अगर है तो खुले मंच से बात हो. सरकार अपने खिलाफ जाने वाले हर मुद्दे को National Security या देशद्रोह से जोड़ने की नीति ज्यादा दिन तक नहीं चला पाएगी. सर्वोच्च न्यायालय ही सभ्य समाज व लोकतान्त्रिक प्रणाली को सुरक्षित कर कानून के राज को मजबूत बना सकती है, क्योंकि लोकतंत्र के नाम पर हर संवैधानिक और संवेदनशील जगहों में घुसपैठ कर अधिकतर आपराधिक सोच के फर्जी नेता अंधेरगर्दी मचा रहे हैं.

पेगासस मामले में देश की सर्वोच्च न्यायलय ने सरकार से सवाल किये हैं, आपने सॉफ्टवेयर खरीदा या नहीं, इस पर सरकार खामोश है. और एक जांच Committee बनाने की बात रखी है. अगर कुछ दिन के बाद सरकार यह कह दे की हमने खरीदा था तो क्या सरकार को बर्खास्त कर दिया जाएगा? क्या ऐसा करने की Power किसी Agency को है? दूसरे जो सरकार सर्वोच्च न्यायालय के रिटायर्ड Chief Justices, Election Commissioner और दीगर बड़े नेताओं व पत्रकारों के खिलाफ इस Weapon का इस्तेमाल कर सकती है. अब इसका इस्तेमाल जांच Committee के Members पर नहीं होगा, इसकी क्या Guarantee है. Right to Privacy के उल्लंघन पर सरकार से सवाल अगर ईमानदार मीडिया नहीं पूछेगी तो क्या आम कैसे खाया जाता है पूछने वाली Agency देश के लिए कैसे फायदेमंद होगी? नाकामियों पर फुजूल मुद्दों का खोल कैसे चढ़ाया जाता यह कला तो अच्छे से आती है सत्ताधारी पार्टी को... खैर अभी क्तनहे के नशे से निम्टा जाए...

शाहरूख ने बेटे की बेल के लिए सतीश मानशिंदे, पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी, आनंदिनी फर्नांडिस, रुस्तम मुल्ला, लॉ फर्म करंजावाला एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर्स रूबी सिंह आहूजा और संदीप कपूर जेसे वकीलों की फौज खड़ी कर दी है. और आर्यन को जल्द बेल हो भी जाएगी. Editorial लिखने के दौरान ही समाचार मिल गया है की आर्यन की बैल हो गई है... सवाल यह है क्या इसके बाद देश नशे से मुक्ति हासिल कर लेगा? क्या अब किसी बेगुनाह को जेल में नहीं रहना होगा? क्या इसके बाद Narcotics का अवैध धंधा बंद हो जायगा? अवैध शराब, चरस, गांझा, हीरोइन, कोकीन और न जाने कौन कौन से नशे वाली चीजों के धंधे बंद कराने में क्या पुलिस इन्साफ से काम लेगी? या अवैध धंधे करने वाले गुंडों को शरीफ नागरिकों के खिलाफ हमले करने से रोक देगी? ज़्यादा चिंता का विषय यह है कि अपराध और अवैध गतिविधियों को प्रोत्साहन पुलिस के सहयोग से मिलता है.

वैसे अगर शाहरुख, नरेंद्र मोदी जी का एक इंटरव्यू करते हुए यह पूछ लेते की आप केला कैसे खाना पसंद करते हैं, तो इस सारे लोचे से बच जाते.. केला इस लिए कहा की आम के बारे में सवाल पहले ही पूछा जा चुका है. और अगर BJP की एक दो चुनावी रैलियों में स्टार प्रचारक की हैसियत से शाहरुख शामिल हो गये होते तो भले आर्यन 3 लाख किलो ड्रग्स के अवैध कारोबार में लिप्त होते कुछ बिगड़ने वाला नहीं था. अफसोसनाक है कि अधिकतर मुजरिमों का रक्षा कवच बन गया है सियासत का पंडाल.. जुर्म करो और सियासत की शरण ले लो, और ईमानदार तथा शरीफ नेता और अफसर घुटन महसूस करते हैं ऐसे माहौल में.

छक। के सत्ता के पूरे प्रकरण में मजे की बात तो ये हैं की AIIMS, IIT, IIM, universities, एयरपोर्ट, हॉस्पिटल, हाईवे बनवाने वाले खामोश रहे, और शौचालय बनवाने वालों ने इतना शोर मचाया कि 70 वर्षों के सारे विकास कार्यों पर पानी फिर गया, भले शौचालयों में आज भी पानी का अकाल है. वैसे मोदी है तो मुमकिन है... सिर्फ मोदीजी ही अब देश को बचा भी सकते हैं लेकिन इसके लिए मोदीजी और उनकी पार्टी को पुरुषोत्तम राम की तरह सत्ता की कुरबानी देनी होगी, मगर यहाँ तो राम के नाम पर पाखण्ड है आतंक है. राम की आंतरिक परम्पराओं से कोई सरोकार ही नहीं है, हाँ वोट जरूर राम के नाम पर लेते रहने का प्रण किया है पार्टी ने, और कुछ नहीं.

उसी का शहर, मुंसिफ वही, वही मुद्दई भी
यकीं लाजिम था, कुसूर अपना ही निकलेगा।
सितम करले, अभी तुझ में जोर है जालिम
तेरा जनाजा भी एकरोज, इसी शहर से निकलेगा।।

Editor/Owner/Printer/Publisher: Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

VEER SAVARKAR : BRAVE BY HALF

The film on Savarkar was due to be released in 2001. The film even before its release had created lot of ripples of excitement. It probably was the first major venture eulogizing the pioneer of Hindutva ideology. One is aware that any objective discussion on Savarkar is filled with lot of emotional outbursts as he has been iconized amongst sections of population as the 'brave' freedom fighter. He also gets the prefix of 'Swatantra Veer' (Brave warrior for Freedom), which is only half true.

One needs to look at the trajectory of his life to understand this transition from anti-British revolutionary to the ideologue of Hindutva. Savarkar's life underwent major transition during his confinement in Andamans. He was a changed man after the period of his jail life. He was a committed anti-British revolutionary prior to his deportment to Andamans but later he never associated with anything even remotely sounding as anti-British.

He had gone to study law in London and due to his anti-British stance he was denied the barristership. In England Savarkar formed 'Free Indian Society' committed to overthrowing British rule in India. That time he rejected the British proposal to give the undertaking not to participate in politics. His group had learnt the art of bomb making from a Russian revolutionary in Paris. One member of the group killed a top-ranking official in India office (London) and was sentenced to death. For involvement in this and for another charges on him in Indian courts, Savarkar was arrested, sentenced and was to undergo life imprisonment. He was deported from England. The ship carrying him stopped at Marseilles, where he jumped into the sea and swam to the shore to claim asylum on French soil. He was captured back and was transported to Andamans for life imprisonment.

The conditions in Andman jail were very painful and he was had to suffer severe torture like other prisoners there. It seems that conditions of jail life broke his spirits. Incidentally from 1920 Indian National Congress was asking for his unconditional release, but due to reasons best known to him Savarkar preferred to give a written undertaking to get released from the jail - "I hereby acknowledge that I had a fair trial and just sentence. I heartily abhor methods of violence resorted to in days gone by and I feel myself duty bound to uphold law and constitution (British, added) to the best of my powers and am willing to make the 'reform' a success in so far as I may be allowed to do so in future" (from facsimile of Savarkar's letter to British authorities, Frontline, April 7, 1995. Pg. 94). The reforms he is referring to here are the Montagu Chelmsford proposals of 1919, which did not satisfy the nationalist movement's demands.

In response to this, as a trade off, the British Government released him. First he was put in Yervada jail and later allowed to stay with his family in Ratnagiri. The condition was that he will stay in Ratnagiri district in Bombay province and will seek permission of the government to leave the district. Also that he will not engage in any public or private political activities without the consent of the government. The period of conditions lasted till 1937, when the Congress ministry was sworn in and lifted this condition. Subsequent to this he assumed the office of the President of Hindu Mahasabha. This aspect of his total surrender is totally hidden by the Hindutva forces; they confer on him the epithet of 'Veer (brave) Savarkar'.

Why did British government release him? How is it that after his release the track of his politics totally changed and he came to adorn the mantle of ideologue Hindu Rashtra? How is it that later he never undertook any anti British agitation? How is it that he never joined and supported the major movements of those times like Quit India movement? How is it that instead of being the part of freedom struggle, he chose to help the British in recruiting Indians for their army? One can have ones' own inferences but his compromise with British hides lot of messages about the nature of his politics from then on.

He did emerge as the undisputed leader of Hindu Mahasabha. In most of the times, post-1937, his politics was the polar opposite of National movement led by Gandhi and 'no support to Congress move' was his basic dictum. This can be best exemplified in the 1942 Quit India movement, when Gandhi gave the call for the people to leave the government jobs. Instead Savarkar issued the edict - "I issue this definite instruction to all Hindu Sangh athanists in general holding any post or position of vantage in the government services, should stick to them and continue to perform their regular duties". (Quoted in A. G. Noorani Frontline, Dec. 1, 1995). Also working committee had passed a resolution on August 31, 1942 asking all Mahasabhaites to remain at their jobs.

Savarkar does have the 'honor' of brewing Brahminical Hinduism with nationalism, and he was the first exponent of the doctrine of Hindutva. Savarkar's initial anti-British struggles were very impressive but after assuming the role of the proponent of Hindutva his major energies were channelized in strengthening the politics of hate, formation of communal Hindu Mahasabha and helping RSS from distance. Savarkar's work `Hindutva: Who is Hindu' (1923) became and remains the basic text defining this political concept. With the parallel and simultaneous rise of Muslim communalism, in due course most of the Hindu consolidations took place by showing the fear of Muslims. This nationalism consolidated itself on the ground of the 'threatening other', but this threatening other was not the British imperialist colonizers whose rule the country was suffering but was the `Muslim'.

As an aside we should note here that Savarkar's anti-British struggles and anti-British activities totally ceased after his release by the British, and from then on all his guns were to be targeted against the Muslims. Savarkar argued (later on this became the ideological base of most of the Hindutva organizations) - "the Aryans who settled in India at the dawn of history already formed a nation, now embodied in the Hindus.... Hindus are bound together not only by the tie of the love they bear to a common fatherland and by the common blood that courses through their veins and keeps our hearts throbbing and our affection warm but also by the tie of the common homage we pay to our great civilization, our Hindu culture." Thus Hindutva according to him rests on three pillars: geographical unity, racial features and common culture. He further went on to elaborate the criterion for who is Hindu?

According to him all those who regard this land as their fatherland and holy-land are the only ones who are Hindu and thereby the people to whom this land belongs. This led to the automatic interpretation that the Christians and the Muslims, whose holy places are in Jerusalem and Mecca are not on par with the `Hindus' who 'own' this country. Initiating the theorizing of the `doubting of patriotism of Muslim's', Savarkar states - "but besides culture the tie of common holy-land has at times proved stronger than the claims of a motherland. Look at Mohammedans: Mecca to them is a sterner reality than Delhi or Agra."

Savarkar's politics was rival to Gandhian politics. Gandhi - the representative of Indian Nationalism was branded by Savarkar as conciliator and appeaser of Muslims. Savarkar propounded that struggle for supremacy would begin after British left and that the Christians and Muslims were the real enemies who could be defeated only by "Hindutva". He maintained that this land belonged to Hindus and so by implication Muslims with Holy Land in Mecca and Christians with Holy land in Jerusalem cannot have equal status to `Hindus'.

It is also worth remembering, that murderer of Gandhi, Godse was his ardent follower. Savarkar himself was the co-accused in Gandhi murder, but was let off as Godse took the whole responsibility of this murder totally on his own self and there was no corroboration of the charges against Savarkar. While the film and the present projection of Savarkar is going on, one has also to assess his role in second half of his life. An honest assessment of our past will show us the different versions of Nationalism and their political stance. The present hysteria of paying blind obeisance to Vinayak Damodar Savarkar should not come in the way of objectively assessing his changed role in later part of his life.

-Dr. Ram Puniyani

NOTICE:
Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

Priyanka condemned Yogis dictatorial policy to stop Congress from visiting Agra

While going to Agra to express grief over the death of Arun Valmiki, in police custody on the day of Lord Valmiki Jayanti was a victim of Yogi Sarkar's brutality. The UP Congress Committee strongly condemned the misbehavior of the UP police with India National Congress General Secretary Priyanka Gandhi who was forcibly stopped by the police and the State President Mr. Ajay Kumar Lallu and many Congressmen.

Uttar Pradesh Congress Committee in its statement said that the arrogant BJP will be defeated and justice will

prevail. The National General Secretary in-charge, Mrs. Priyanka Gandhi said on the whole incident that what is the Uttar Pradesh government afraid of? What the government is trying to hide in the death of Arun Balmiki in police custody, she said that Arun Balmiki has died in police custody, the family is seeking justice, stopping me from visiting is an unjustified act of the government.

Priyanka Gandhi has been in recent past getting lot of public support , in her style of opposing the BJP led Yogi government in UP. It has made a big dent in their election campaign and has made them ie BJP nervous. Congress as it seems is gaining lost ground , thru hard work of Priyanka and her team, however it has to be seen how much it will convert into votes.

-ITN

सभी राज्यों की राजधानियों में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के पार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव के बीच देश में आज (सोमवार) वाहन ईंधनयानी पेट्रोल और डीजल के दामों में बदलाव नहीं हुआ है. भारतीय तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी अपडेट के मुताबिक, 25 अक्टूबर को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं. बता दें कि लगातार पांच दिन पेट्रोल–डीजल के दामों में 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद आज कीमतों पर ब्रेक लगा है. इससे पहले 18 और 19 अक्टूबर को पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े थे.

पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (प्ब्स्) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 107.59 रुपये है. जबकि मुंबई में पेट्रोल आज (25 अक्टूबर 2021) 113.46 रुपये प्रति लीटर पर टिका है. वहीं, दिल्ली में डीजल 96.32 रुपये और मुंबई में 104.38 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है. महानगरों की बात करें तो मुंबई में पेट्रोल–डीजल सबसे ज्यादा महंगा है. अक्टूबर में तेल के भाव में भारी उछाल के साथ देशभर में पेट्रोल–डीजल का रेट रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है.

आइए जानते हैं प्रमुख महानगरों में पेट्रोल–डीजल का भाव...

शहर का नाम	पेट्रोल	डीजल
दिल्ली	107.59	96.32
मुंबई	113.46	104.38
कोलकाता	108.11	99.43
चेन्नई	104.52	100.59

सभी राज्यों की राजधानियों में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया है. वहीं, करीब एक दर्जन राज्यों में डीजल शतक को पार कर गया है. बेंगलुरु, दमन और सिलवासा में भी डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है. राजस्थान के गंगानगर में पेट्रोल 117.86 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 105.95 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है.

बता दें कि विदेशी मुद्रा दरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत के आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमत प्रतिदिन अपडेट की जाती है. ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं. इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम तेल कंपनियां हर दिन सुबह विभिन्न शहरों की पेट्रोल और डीजल की कीमतों की जानकारी अपडेट करती हैं.

पेट्रोल–डीजल के दाम प्रतिदिन अपडेट किए जाते हैं. ऐसे में आप सिर्फ एक ैडे के जरिए रोज अपने शहर में पेट्रोल–डीजल की कीमत जान सकते हैं. इसके लिए इंडियन ऑयल के ग्राहकों को आरएसपी कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा.

करवा चौथ में दिल्ली-एनसीआर की ज्यादातर सुहागिन महिलाओं को खराब मौसम से उम्मीदें टूटीं

दिल्ली–एनसीआर की ज्यादातर सुहागिन महिलाओं को उम्मीद थी कि मौसम धीरे–धीरे साफ हो जाएगा और बादल छंटते ही चांद का दीदार हो जाएगा, लेकिन यह संभव नहीं हो सका. हालांकि देश के कई अन्य हिस्सों में मौसम पूरी तरह साफ रहा या हल्के बादल छाए रहे लेकिन उन्हें चांद का दीदार हो गया.

बारिश और खराब मौसम की वजह से दिल्ली–एनसीआर की महिलाओं को आज जब चांद नहीं दिखने का आभास होने लगा तो उन्होंने दूर–दराज के अपने गांव या रिश्तेदारों को फोन कर चांद निकलने को लेकर जानकारी लेने लगे. गांव और कई अन्य शहरों में चांद के दीदार होने की खबर मिलने पर कई महिलाओं ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों से चांद की फोटो वॉट्सऐप पर मंगवाई और फिर उसी को देखकर अपना व्रत तोड़ा.

कई सुहागिन महिलाओं ने दूर–दराज के इलाकों में रह रहे अपने परिजनों या रिश्तेदारों को फोन कर वॉट्सऐप कॉल के जरिए चांद को जी–भर देखा और फिर व्रत तोड़ा. हालांकि कुछ महिलाओं ने चांद के दिखने का इंतजार करने का फैसला लिया और जब काफी देर तक इंतजार कर लिया तो उन्होंने पूर्व दिशा में चांद के निकलने वाली जगह की ओर देखकर अपना व्रत तोड़ा.

अपनी आंखों या कैमरे की आंखों के जरिए चांद का दीदार करने के बाद ही महिलाओं का करवा चौथ का त्योहार पूरा

हुआ. उत्तर प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों में चंद्रमा का अच्छे से दीदार हो गया. एक–एक करके देशभर के सभी राज्यों और शहरों में चांद दिखाई दिया. असम के गुवाहाटी में भी लोगों को चांद का दीदार करने का मौका मिला. व्रती महिलाओं ने चांद को देखकर पहले पूजा अर्चना की और फिर व्रत तोड़ा.

प्यार को पाने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम क्यूं दिया

दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना पुलिस ने एक ऐसे चोर को गिरफ्तार किया है जो अपनी प्यार को पाने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम दिया. आरोपी एक लड़की से प्यार करता था. उस लड़की को पसंद करने वाले ने उसे लड़की से दूर रहने की धमकी दी थी.जिसका बदला लेने के लिए उसने एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया और पीड़ित का जर्मन रिवाल्वर चुरा लिया. कोई अनहोनी हो उससे पहले ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से रिवाल्वर बरामद कर लिया.

जिला पुलिस उपायुक्त बिजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान भलस्वा निवासी मोहित के रूप में हुई है. 16 अक्तूबर की रात महेंद्र पार्क इलाके में बलवान सिंह के घर में चोरी हुई थी. बलवान सिंह उस रात किसी काम से दिल्ली से बाहर गया था.

जानकारी मिलने के बाद उसने थाने में चोरी की शिकायत की. जिसमें बताया कि चोर उसके घर से जर्मन रिवाल्वर, सात कारतूस, सोने की चेन और 35 हजार रुपये की चोरी की. पुलिस ने मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज को खंगाला. जिसमें मोहित की पहचान हुई. मोहित भलस्वा डेयरी इलाके में रहता है. इस बात की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मोहित को गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से पुलिस ने लाखों रुपये के लाइसेंसी जर्मन रिवाल्वर बरामद कर ली.

पूछताछ में मोहित ने बताया कि वह फरीदाबाद स्थित एक कंपनी में काम करता है. वहां वह एक लड़की से प्यार करने लगा. वहीं प्रदीप नाम का युवक भी उसी लड़की को चाहता था. प्रदीप उसे उस लड़की से दूर रहने की धमकी दी थी.

मोहित प्रदीप से बदला लेना चाहता था. यह बात उसने अपने एक दोस्त को बताई. उसके दोस्त ने बताया कि उनके किसी जानकार के पिता बलवान के पास

लाइसेंसी रिवाल्वर है जिसे वह चुरा सकता है. मोहित ने 16 अक्तूबर की रात बलवान के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया. लेकिन रिवाल्वर से वह कोई अनहोनी कर पाता, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया.

-:: संक्षिप्त समाचार ::-

गुजरात में ठेकेदार ने दंपती समेत चार लोगों की पिटाई

उझानी (बदायूं). गुजरात के ईंट–भट्ठे पर काम करने के लिए जाने से इनकार करने पर ठेकेदार ने दंपती समेत चार लोगों की पिटाई कर दी. दंपती समेत तीन लोगों का पुलिस ने मेडिकल भी कराया है.घटना रविवार सुबह गंजशहीदा मोहल्ले की है. यहां रहने वाले वसीम ने बताया कि पिछले महीने दूसरे प्रदेशों में ईंट–भट्ठों पर मजदूर भेजने वाले एक ठेकेदार ने चार सदस्यों को बुक किया था. उस वक्त ठेकेदार ने यह नहीं बताया था कि मजदूरों को गुजरात जाना है. गुजरात के बारे में पता लगते ही वसीम ने बाहर जाने से इनकार कर दिया.

उसने एडवांस में लिए गए 45 हजार रुपये भी लौट दिए. ऐसा ही वसीम के साले सुभान ने भी किया. उसने भी ठेकेदार को रुपये लौटा दिए. आरोप है कि इसी से गुस्साए ठेकेदार ने वसीम, उसकी पत्नी मुस्कान, साले सुभान और सास नाजनीन की पिटाई कर दी.

काकपोरा में आतंकियों ने ग्रेनेड से किया हमला

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा से बड़ी खबर सामने आई है. यहां आतंकियों ने काकपोरा इलाके में ग्रेनेड हमला कर दिया है. यह हमला पुलिस पोस्ट पर किया गया है. हालांकि हमले में अभी किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है.वहीं, ग्रेनेड अटैक के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की नाकाबंद कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. यह हमला ऐसे समय हुआ है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने तीन दिवसीय जम्मू–कश्मीर दौरे पर पहुंचे हुए हैं. अमित शाह ने अपने कश्मीर दौरे के दौरान आतंक को जड़ से उखाड़ फेंकने का आश्वसन दिया है. शाह ने राजभवन में सुरक्षाबल के अधिकारियों के बैठक लेते हुए कहा कि आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.इस दौरान अमित शाह ने सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि आप बेखौफ होकर देश की रक्षा कीजिए हम आपके परिवार का ध्यान रखेंगे. यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि अब जम्मू–कश्मीर से आतंकवाद के समूल नाश का समय आ गया है. इसलिए आतंक पर अंतिम प्रहार की तैयारी शुरू कर दी जाए. यही नहीं अमित शाह ने पाकिस्तान से केवल 10 किमी की दूरी पर एक रैली को भी संबोधित किया. इस रैली के माध्यम से अमित शाह ने पाकिस्तान आतंकियों को यह साफ संकेत दिया कि अब घाटी में डर का माहौल खत्म हो गया है.अमित शाह ने अपने कश्मीर के दौरे के दूसरे दिन वहां स्थानीय निवासियों से भी बातची की. अमित शाह जम्मू–कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के साथ स्थानीय लोगों के घरों में गए लोगों से उनकी समस्याओं मुद्दों को लेकर बातचीत की. इस दौरान अमित शाह ने एक स्थानीय शख्स को अपना मोबाइल नंबर भी दिया. उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या होने पर वह उनको कभी–भी फोन कर सकता है.

शूटिंग के दौरान हिंसा और उत्पात होने पर कड़ी निंदा, कठोर करवाई की मांग

भोपाल : राष्ट्रीय सेक्युलर मंच ने विगत 24 अक्तूबर को भोपाल में एक वेब सीरीज की शूटिंग के दौरान बजरंग दल के लोगों द्वारा हिंसा और उत्पात मचाने की कड़ी भर्त्सना करते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है.

राष्ट्रीय सेक्युलर मंच के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार श्री लज्जा शंकर हरदेनिया ,शैलेन्द्र शैली, राकेश दीवान ,रघुराज सिंह तथा अन्य संस्कृति कर्मियों ,बुद्धिजीवियों ने बजरंग दल के लोगों द्वारा शूटिंग के दौरान हिंसा और उत्पात मचाने की अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला निरूपित कर सरकार से कलाकारों को संरक्षण देने की मांग की है.

राष्ट्रीय सेक्युलर मंच की एक विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व में भी बजरंग दल तथा अन्य साम्प्रदायिक ताकतों द्वारा नाटकों के मंचन और सिनेमा की शूटिंग में व्यवधान किए गए हैं. इन फासीवादी प्रवृत्तियों के संगठनों और लोगों को भाजपा सरकार और नेताओं का भी संरक्षण मिलता है इस कारण पुलिस द्वारा सही समय पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती है. बाद में सिर्फ खानापूर्ति ही होती है ।इस स्थितियों से लेखक ,कलाकार ,संस्कृति कर्मी और बुद्धिजीवी चिंतित तथा दुखी है. यह अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतांत्रिक अधिकारों पर अतिक्रमण है.

राष्ट्रीय सेक्युलर मंच ने मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री और पुलिस महा निदेशक से भविष्य में इस तरह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमले रोकने हेतु आवश्यक आदेश जारी करने तथा कठोर कार्रवाई करने की मांग की है.

रिक्शा चालक को आया 3 करोड़ रुपये का टैक्स

नई दिल्ली: इनकम टैक्स विभागने एक रिक्शा चालक को 3 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है. ये सुन कर थोड़ा अजीब जरूर लग रहा है लेकिन ये सच है और मामला उत्तर प्रदेश का है.उत्तर प्रदेश के मथुरा में एक रिक्शा चालक तब दंग रह गया जब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उसे नोटिस थमा कर 3 करोड़ रुपये चुकाने की बात कही. नोटिस मिलने के बाद रिक्शा चालक घबरा कर पुलिस के पास मदद के लिए पहुंचा.

मथुरा के बाकलपुर क्षेत्र के अमर कॉलोनी निवासी प्रताप सिंह ने आईटी विभाग से नोटिस मिलने के बाद हाईवे थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है. प्रताप सिंह रिक्शा चलाते हैं. हालांकि, पुलिस ने इस मामले में अभी कोई केस दर्ज नहीं किया है. लेकिन मामले की जांच की जा रही है.पैन कार्ड से हुआ फ्रॉड

प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड कर पूरा मामला बताया है. प्रताप के अनुसार, 15 मार्च को उसने बाकलपुर में जन सुविधा केंद्र में पैनकार्ड के लिए आवेदन किया था. बैंक ने उससे पैनकार्ड जमा करने के लिए कहा था. जन सुविधा केंद्र की ओर से प्रताप को कहा गया था कि उसका पैन कार्ड 1 महीने के अंदर आ जाएगा. लेकिन नहीं आया. और बाद में उसे पता चला कि उसके पैन कार्ड को संजय सिंह नाम के व्यक्ति को दे दिया गया.

इस बीच प्रताप कई बार केंद्र पर पैन कार्ड के लिए गया तो उसे पैन कार्ड का कलर प्रिंट दे दिया गया. दरअसल, रिक्शा चालक पढ़ा लिखा नहीं था जिसकी वजह से उसे पता नहीं चला कि पैन कार्ड ऑरिजनल है, या फोटोकॉपी. प्रताप को जब आईटी डिपार्टमेंट से कॉल आई तो उसके हाथ–पांव फूल गए.

आपको बता दें कि आईटी विभाग ने प्रताप से 3,47,54,896 रुपये चुकाने के लिए कहा है. प्रताप ने बताया कि उसे अधिकारियों ने बताया कि किसी ने उसका पैन कार्ड ले लिया है और उसके नाम से जीएसटी नंबर बनवा लिया है. इस पैन कार्ड पर करीब 43.44 करोड़ रुपये का टर्नओवर एक ही साल (2018–2019) में कर डाला. अधिकारियों ने प्रताप को सलाह दी कि वह इस मामले में एफआईआर दर्ज कराए और दोषियों को जेल भिजवाए. अभी मामले की जांच चल रही है.

–एजेंसी

सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पदोन्नति में आरक्षण के मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला आरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पदोन्नति में आरक्षण देने के मुद्दे पर फैसला आरक्षित रखा है. न्यायमूर्ति नागेश्वर राव की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने इस बारे में सभी पक्षों की दलीलें सुनीं. विभिन्न राज्यों की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल, अपर सॉलिसिटर जनरल बलबीर सिंह और अन्य वरिष्ठ वकीलों ने अपनी दलीलें रखीं.

इससे पहले, केंद्र सरकार ने न्यायाधीश संजीव खन्ना की पीठ के समक्ष कहा था कि यह जीवन की सच्चाई है कि लगभग 75 वर्ष बाद भी अनुसूचित जातियों और जनजातियों को, अगड़ी जातियों के समान स्तर पर नहीं लाया जा सका. अटॉर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल ने कहा कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लोगों को ग्रुप – ए की नौकरियों में उच्च पद पाने में काफी मुश्किल होती है. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि शीर्ष न्यायालय को रिक्त पदों को भरने में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए कोई ठोस आधार देना चाहिए. –एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने श्रम और रोजगार मंत्रालय को कारण बताओ नोटिस जारी किया

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने डॉक्टरों की लापरवाही के कारण कोविड मरीज की मृत्यु पर श्रम और रोजगार मंत्रालय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. कोविड–19 रोगी की मृत्यु दिल्ली के कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अस्पताल में हुई थी. आयोग ने श्रम मंत्रालय के सचिव से पूछा है कि चिकित्सा लापरवाही के कारण हुई मृत्यु पर मृतक के निकट संबंधी को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता की सिफारिश क्यों नहीं की. सचिव से मामले की जांच रिपोर्ट जमा करने के लिए भी कहा गया है. आयोग ने पाया कि भारतीय संविधान के अंतर्गत इस लापरवाही से स्वास्थ्य का अधिकार और जीवन के अधिकार का उल्लंघन हुआ.

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके पिता गंभीर रूप से बीमार और संदिग्ध रूप से कोविड–19 संक्रमण से प्रभावित थे. दिल्ली में झिलमिल के कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल ने रोगी को आपातकालीन वार्ड में न तो भर्ती किया और न ही उपयुक्त उपचार उपलब्ध कराया, बल्कि रोगी को एक सरकारी अस्पताल से दूसरे अस्पताल के लिए भेजता रहा.

–एआर न्यूज

नकली बार कोड लगे टाटा नमक के 90 पैकेट बरामद

जबलपुर. एमपी के जबलपुर में ब्रांडेड नमक कंपनी की शिकायत पर पाटन पुलिस ने दो दुकानों से 135 पैकेट नमक जब्त किए हैं. आरोपियों से पूछताछ में पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि नमक उन्हें कौन सप्लाई कर रहा था?पाटन टीआई आसिफ इकबाल ने बताया कि सावरिया नगर एयरपोर्ट रोड इंदौर निवासी मयंक शर्मा ने कटंगी स्थित दो दुकानों से टाटा कम्पनी के नाम से नमक की पैकिंग कर बेचे जाने की सूचना दी थी.

पाटन पुलिस ने मामले में इन्फोर्सिस ऑफ इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी राईट्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड कंपनी के जांच अधिकारी मयंक शर्मा और सहयोगी हिमांशु दीक्षित के साथ विकास ट्रेडर्स किराना दुकान में दबिश दी. यहां टाटा नमक के पैकेट जैसे दिखने वाले 45 पैकेट नमक मिले.

टीम ने बगल के वर्धमान किराना स्टोर में दबिश दी, तो यहां से दो बोरी में 90 पैकेट नमक मिले. सभी में नकली बार कोड बना था.

–एजेंसी

-:: संक्षिप्त समाचार ::-

आसियान ने अपने सम्मेलन में म्यामां की सैन्य सरकार की हुई भर्त्सना

दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन– आसियान के सम्मेलन में भाग न लेने के लिए संगठन ने म्यामां की सैन्य सरकार की भर्त्सना की है. आसियान सम्मेलन आज शुरू हुआ. इससे पहले आसियान ने म्यामां की भागीदारी को गैर राजनीतिक घोषित कर दिया था. हमारे संवाददाता ने बताया कि आसियान चार्टर के उल्लंघन के कारण म्यामां ने इसे ठुकरा दिया.

इजरायली सुरक्षा बलों ने कहा कि उन्होंने लेबनान से यहूदी क्षेत्र में ड्रग्स हथियारों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है.

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक बयान में सेना के हवाले से कहा कि गश्त पर तैनात सैनिकों ने शुक्रवार शनिवार की आधी रात को संदिग्धों को लेबनान से इजरायल में बैग ले जाते हुए देखा.सेना ने कहा कि सैनिकों पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा गया लगभग 350,000 नए शेकेल (109,171 डॉलर) की कीमत के दो पिस्तौल नौ किलाग्राम ड्रग्स वाले 21 बैग को जब्त किया गया.

एक बयान के अनुसार, इजरायल के रक्षा बल इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या तस्करी के प्रयास को लेबनान के हिजबुल्लाह समूह से जोड़ा गया था.

डिस्क्लेमरः यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

किन्नौर में भारी बर्फबारी

किन्नौर में हुई भारी बर्फबारी में गिरि कैंपस के पास फंसी एक कार.नई दिल्ली रू हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में भारी बर्फबारी की वजह से मुंबई के तीन पर्यटकों की मौत हो गई. बर्फबारी में मरने वाले पर्यटकों की पहचान दीपक नारायण (58), राजेंद्र पाठक (65) और अशोक मधुकर (64) के रूप में की गई है. वहीं, घाटी में भारी बारिश के चलते भूस्खलन और पहाड़ की चोटियों से पत्थरों के टूटकर गिरने से करीब 30 घंटे तक बाधित 270 किलोमीटर लंबे जम्मू–श्रीनगर नेशनल हाईवे दोबारा खुल गया है. जबकि, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारी बारिश की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है.

आयुष्मान भारत से भविष्य में महामारी जैसे हालात से निपटने में मदद मिलेगी: स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 2021: स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने आज कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन से भविष्य में वैश्विक महामारी जैसी स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि कोविड–19 ने देश में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार का अवसर दिया है और सरकार ने 64 हजार करोड रूपये के निवेश के साथ् प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन शुरू किया है. उन्होंने कहा कि कैंसर और मधुमेह जैसे रोगों के इलाज तथा प्राथमिक स्तर पर उपचार के लिए सरकार ने डेढ लाख स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र स्थापित करने का फैसला लिया. देश में ऐसे लगभग 79 हजार केन्द्र शुरू हो गए हैं. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अन्तर्गत उपचार से लेकर महत्वपूर्ण अनुसंधानों तक की सेवाओं के लिए देश के हर कोने में तंत्र बनाया जायेगा. इसका उद्देश्य अगले चार से पांच वर्ष में गांवों, ब्लॉकों, जिलों, क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर रोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल तंत्र को मजबूत करना है. योजना के तहत गांवों और शहरों में स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्र खोले जायेंगे जहां बीमारियों की जांच की सुविधाएं होंगी. इन केन्द्रों पर मुफ्त चिकित्सा, परामर्श, मुफ्त जांच, मुफ्त दवा जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी. गंभीर बीमारी के लिए छह सौ जिलों में 35 हजार नये बिस्तर जोडे जा रहे हैं तथा एक सौ 25 जिलों में रेफरल सुविधाएं दी जायेंगी. इस योजना का दूसरा पहलू बीमारियों का पता लगाने के लिए जांच से संबंधित है.

मिशन के अन्तर्गत बीमारियों की जांच और निगरानी के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा. देश के सात सौ तीस जिलों में एकीकृत जनस्वास्थ्य प्रयोगशालाएं तथा तीन हजार ब्लॉकों में खंड जन स्वास्थ्य इकाइयां होंगी. इसके अतिरिक्त पांच क्षेत्रीय राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र, बीस मेट्रोपॉलिटन इकाइयां और 15 बीएसएल प्रयोगशालाएं होंगी.

योजना का तीसरा पहलू वैश्विक महामारियों का अध्ययन करने वाले संस्थानों का विस्तार करने से संबंधित है. मौजूदा अस्सी विषाणु जांच और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को सुदृढ किया जायेगा, 15 जैव सुरक्षा स्तर की प्रयोगशालाओं को चालू किया जाएगा और चार नये राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान स्थापित किए जायेंगे. दक्षिण एशिया के लिए विश्व स्थवास्थ्य संगठन क्षेत्रीय अनुसंधान प्लेटफार्म भी इस तंत्र को मजबूती प्रदान करेगा.

एक प्रश्न के उत्तर में श्री मांडविया ने कहा कि एक दल कोविड–19 के नये स्वरूप एवाई.4.2 जांच कर रहा है. आईसीएमआर और एनसीडीसी की टीमें विभिन्न स्वरूपों का अध्ययन और विश्लेषण करती है. –एआर न्यूज

रसोई गैस सिलेंडर पर मिलता है 50 लाख रुपये तक का मुआवजा

नई दिल्लीः रसोई गैस सिलेंडर आजकल सभी के घर में होता है. लेकिन, इसका उपयोग करते वक्त बहुत ही सावधानी रखनी पड़ती है. कई बार इसमें बड़े हादसे भी हो जाते हैं.ऐसे में , गैस सिलेंडर यूज करने में सतर्कता बहुत जरूरी है. फिर भी अगर किसी तरह की दुर्घटना होती है तो आपको ग्राहक होने के नाते 50 लाख रुपये तक का मुआवजा मिल सकता है.

दरअसल, स्च्ळ यानी रसोई गैस कनेक्शन लेने पर पेट्रोलियम कंपनियां ग्राहक को पर्सनल एक्सीडेंट कवर उपलब्ध देती हैं. ऐसे में, 50 लाख रुपये तक का यह इंश्योरेंस एलपीजी सिलेंडर से गैस लीकेज या ब्लास्ट के चलते हुए हादसे में आर्थिक मदद के तौर पर है. आपको बता दें कि इस बीमा के लिए पेट्रोलियम कंपनियों की बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी रहती है. और मुआवजे की जिम्मेदारी गैस कंपनी की होती है.पर्सनल एक्सीडेंट कवर.

नियम के अनुसार, डीलर की तरफ से डिलिवरी से पहले सिलेंडर को अच्छी तरह चेक किया जाता है कि गैस बिल्कुल ठीक है या नहीं. ग्राहक के घर पर एलपीजी सिलेंडर की वजह से हादसे में हुए जान–माल के नुकसान के लिए पर्सनल एक्सीडेंट कवर देना होता है. हादसे में ग्राहक की प्रॉपर्टी ध्घार को नुकसान पहुंचता है तो प्रति एक्सीडेंट 2 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस क्लेम मिलता है.

दुर्घटना के बाद क्लेम करने के लिए सरकारी वेबसाइट मायएलपीजी.इन (िजजचरूध्ध्उलसच ह.पद) पर दिया गया है. वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, एलपीजी कनेक्शन लेने पर ग्राहक को उसे मिले सिलेंडर से यदि उसके घर में कोई दुर्घटना होती है तो वह व्यक्ति 50 लाख रुपये तक के बीमा का हकदार हो जाता है. यानी आपकी सूझबूझ आपको फायदा दे सकती है.जानिए कैसे करें क्लेम.

1. एक दुर्घटना पर अधिकतम 50 लाख रुपये तक का मुआवजा मिल सकता है. दुर्घटना से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को अधिकतम 10 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति दी जा सकती है.

2.एलपीजी सिलेंडर के बीमा कवर पाने के लिए ग्राहक को दुर्घटना होने की तुरंत सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन और अपने एलपीजी वितरक को देनी होती है.

3. पीएसयू ऑयल विपणन कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल, एचपीसी तथा बीपीसी के वितरकों को व्यक्तियों और संपत्तियों के लिए तीसरी पार्टी बीमा कवर सहित दुर्घटनाओं के लिए बीमा पॉलिसी लेनी होती है.

4. ये किसी व्यक्तिगत ग्राहक के नाम से नहीं होतीं बल्कि हर ग्राहक इस पॉलिसी में कवर होता है. इसके लिए उसे कोई प्रीमियम भी नहीं देना होता.

5. थ्प्त की कॉपी, घायलों के इलाज के पर्चे व मेडिकल बिल तथा मौत होने पर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाणपत्र संभाल कर रखें.हादसा होने पर क्या करें?

अगर कहीं गैस सिलेंडर से हादसा हो तब सबसे पहले पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराना चाहिए. फिर, इसके बाद संबंधित एरिया ऑफिस ये जांच करता है कि हादसे का कारण क्या है? अगर हादसा एलपीजी एक्सीडेंट है तो एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर एजेंसीध्एरिया ऑफिस बीमा कंपनी के स्थानीय ऑफिस को इस बारे में सूचित किया जाता है. इसके बाद संबंधित बीमा कंपनी को क्लेम फाइल होता है. ध्यान रहे, ग्राहक को बीमा कंपनी में सीधे क्लेम के लिए आवदेन करने या उससे संपर्क करने की जरूरत नहीं होती.

–मोहसीन आलम

जम्मू रैली में क्या बोले थे शाह

श्रीनगर. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 अक्टूबर को फिर से घाटी का दौरा करेंगे। वे 3 दिनों के जम्मू–कश्मीर के दौरे पर हैं। सोमवार को इसका आखिरी दिन है।दौरे के दूसरे दिन वे भारत–पाक बॉर्डर स्थित आखिरी चौकी पर जवानों से मिले। उन्होंने मकवाल गांव के लोगों से भी मुलाकात की। 23 अक्टूबर को जम्मू–कश्मीर पहुंचे शाह ने सबसे पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस के शहीद जवान परवेज अहमद दार के परिजनों से मिले थे। बता दें, अगस्त 2019 में धारा 370 को निरस्त करने के बाद अमित शाह की यह पहली यात्रा है।

रविवार को अमित शाह भारत–पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित सुरक्षाबलों की आखिरी चौकी पर पहुंचे थे। जम्मू के मकवाल में पोस्ट पर पहुंचकर शाह ने जवानों से मिलकर उनका हाल–चाल जाना था। शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद थे। शाह मकवाल गांव में आमजनों से भी मिले थे। शाह ने यहां के एक युवक का मोबाइल नंबर भी लिया था। शाह ने एक जूममज किया–आज (24 अक्टूबर) जम्मू के मकवाल में बॉर्डर आउट पोस्ट पर जाकर हमारे बीएसएफ के जवानों से भेंट कर उनके साथ कुछ समय बिताया। भारत की रक्षा के प्रति हमारे सुरक्षा प्रहरियों का समर्पण सचमुच अद्भुत है। समस्त देशवासियों की ओर से अपने सुरक्षाबलों की बहादुरी को नमन कर कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की सुरक्षा करने वाले हमारे सुरक्षाबलों के कल्याण व उनके परिजनों की देखरेख के प्रति पूरी तरह समर्पित है। मैं सभी से कहना चाहता हूं कि आप चिंतामुक्त होकर देश की रक्षा करें आपके परिवारों की चिंता मोदी सरकार करेगी।

गांव के लोगों से मिलने के बाद शाह ने जूममज किया–जम्मू में भारत की सीमा के अंतिम गांव मकवाल में जाकर ग्रामवासियों का हाल जाना। देश के संसाधनों पर जितना हक राजधानी में रहने वाले एक नागरिक का है उतना ही सरहद के गांव में रहने वाले नागरिक का भी है। मोदीजी के नेतृत्व में हम बॉर्डर तक हर सुविधा व विकास पहुंचाने के लिए कटिबद्ध हैं।

रविवार को शाह ने जम्मू में एक रैली को संबोधित किया था। इसमें उन्होंने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद प्रदेश में विकास का नया सफर शुरू हुआ है। किसी को डरने की जरूरत नहीं है। जम्मू के लोगों के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। इस समय घाटी का मौसम खराब है, इसलिए शाह की रैली की जगह बदलनी पड़ी थी। पहले यह रैली भगवती नगर में होनी थी, लेकिन बाद में जम्मू यूनिवर्सिटी के जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में हुई।

शहीद जवान परवेज अहमद दार के घर पहुंचकर शाह ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद परिवार के आगे झुककर जवान की बहादुरी को सराहा था।

शाह ने कहा–मुझे व पूरे देश को उनकी बहादुरी पर गर्व है। मोदी ने जो नए जम्मू कश्मीर की कल्पना की है, उसको साकार करने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस पूरी तन्मयता से प्रयासरत है। उन्होंने दार की पत्नी को सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया।

SUBSCRIPTION FORM
TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....
Address :.....
.....
.....
Email:.....
Contact Phone No.....
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐/5 yrs ☐subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

Ending Someone's thirst is the Biggest Deed of Humanity

ADVERTISEMENT TARIFF
TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

Science Communication, Popularisation and Extension in Indian Languages: Kashmir to Kanyakumari

Vigyan Prasar (VP) organized a day-long workshop to review and further plan its flagship project called Science Communication, Popularisation and Extension (SCoPE)-in-Indian Languages (also known as Vigyan Bhasha) at the India International Centre, New Delhi on 20th Oct 2021. Participants from all over the country working in various languages under the project joined this important one-day meeting.

Besides Hindi & English, 50 SCoPE experts/representatives from Urdu, Kashmiri, Dogri, Punjabi, Gujarati, Marathi, Kannada, Tamil, Telegu, Bengali, Assamese, Maithili & Nepali joined the meeting. Science Communicators of national importance came forward to plan actionable items going forward and reviewed the work done so far. These included representatives from universities, science and technology centers and state S&T departments from across the country. A fabulous display of print publications in these projects produced so far was put forth, which was highly appreciated by one and all.

"To ensure quick and effective implementation of Science Communication & Popularisation at all levels in the society, connecting through one's own language is the first step in this direction. This is why we chose all media products to be designed & developed in Indian languages, " says Dr Nakul Parashar, Director of Vigyan Prasar and brain behind the project SCoPE-in-Indian Languages. Challenges many but with effective process and devoted team of science communicators, the project has achieved numerous milestones in a very short time period, commented Parashar.

Dr T V Venkateswaran, Scientist F and the National Coordinator for SCoPE-in-Indian Language said "With the arrival of television medium, some predicted the demise of written word. However from whatsapp to twitter, the written words are is seeing a revival in the emerging social media communication. Conversations in the mother tongue is necessary for comprehension of the messages; Project Vigyan Bhasha would mobilise various agencies, both governmental and non-governmental to create a national effort to develop materials in Indian languages"

Conversations focused on recognizing the accomplishments of various organizations and movements in science popularization, communication and extension activities.

Analyse the impact of the activities undertaken by various initiatives, and also act as a bridge to strengthen the relationship between institutions and movements that involve in science popularization, communication and extension activities, and plan future activities. Examine the role played by lead ScoPE activities during the COVID communication, in particular address the issue of vaccine hesitancy.

Initiate and conduct science clubs, launch hands-on activities and learning kits, conduct science communication through poetry & other literary forms, film and documentary screenings.

Extend its outreach through its own channels across social media platforms in various Indian languages.

Science communication in the various Indian language goes back decades, translating scientific concepts and terms into their native tongue. Efforts in communicating science in mother tongue was part of the national freedom movements.

Millions of students undergo their schooling in Indian languages, and providing contemporary information on science & technology in their own mother tongue is imperative to build knowledge society and nurture scientific temper.

Studying and thinking in mother tongue enhances innovative capacity. The policy of the Government of India is to promote all Indian Languages, and the ambitious initiative of Vigyan Prasar is aligned with this policy.

- ITN

AAP Announces Launch Of LGBTQ Cell In Pune To Address Issues Faced By Community Members

Writer: Tashafi Nazir

Mukund Kirdat, Pune district head of AAP, said that the party is committed to respecting the community's rights, and the decision had been taken in line with the party's ideology towards equality and upholding constitutional values. Facebook Twitter Whatsapp Telegram Linkedin Email Print koo In a significant move, the Pune wing of the Aam Aadmi Party (AAP) is set to launch an LGBTQ cell for the third gender persons in the city.

The decision was taken ahead of the corporation elections to address the problems faced by the LGBTQ community. Mukund Kirdat, Pune district head of AAP, said that the party is committed to respecting the community's rights, and the decision had been taken in line with the party's ideology towards equality and upholding constitutional values, India Today reported.

Since the Supreme Court decided to pull down Section 377, political parties across the spheres have formed cells dedicated to sexual minorities. Some state governments have also set up transgender welfare boards with separate funds to work towards their issues,

The Indian Express reported. Rs 5 Crore Allocated To The Board Maharashtra government has

nearly allocated Rs 5 crore to the board. Kirdat said that the party decided to launch the body after the decision of contesting the upcoming civic polls. "We are a new party in the state and the cells of different organisations to represent all sections of society are now being formed," Kirdat said. "During the Covid-19 pandemic and the subsequent lockdowns, the LGBTIA people faced many hardships.

None of the parties took a step forward to find holistic solutions for the community," he added. The party wants to work on providing night shelters, employment, access to proper education, and creating awareness about the rights of the LGBTQ community in society.

AAP had fielded transgender candidates during the Delhi and Uttar Pradesh local body elections. "Our manifesto would include the promise to construct separate toilets for transgender individuals in public places including the Pune Railway Station or Swargate Bus Stand. Another issue which we want to work on is to allow them to rent out public spaces for their community programmes," he said.

Courtesy : The Logical Indian

तारापुर में लोजपा का जनसंपर्क अभियान तेज

तारापुर विधानसभा क्षेत्र में लोजपा का जनसंपर्क अभियान तेजआगामी 30 अक्टूबर 2001 को मुंगेर जिला अंतर्गत तारापुर विधानसभा क्षेत्र में होने वाली उप चुनाव को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का जनसंपर्क अभियान भी तेज होते दिखाई दे रही है.

तारापुर में रोड शो का आयोजन किया ही. मगर रफीगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व लोक जनशक्ति पार्टी प्रत्याशी एवं वर्तमान तारापुर विधानसभा क्षेत्र के पार्टी द्वारा प्रभारी बनाए गए मनोज कुमार सिंह भी तारापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाली दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान करते हुए अपनी पार्टी प्रत्याशी, कुमार चंदन सिंह की जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से घर घर जाकर मुलाकात की. इसके अलावे लोक जनशक्ति पार्टी, (राम विलास) के प्रभारी, मनोज कुमार सिंह ने दावा करते हुए कहा है कि उप चुनाव में जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी दोनों सीटों से चुनाव हार जाएंगे, तथा उप चुनाव परिणाम आने के बाद जनता दल यूनाइटेड की सरकार भी बिहार में गिरेगी. वहीं दूसरी ओर लोक जनशक्ति पार्टी प्रदेश संगठन मंत्री, संजय सिंह का भी दावा है कि उप चुनाव में तारापुर विधानसभा क्षेत्र तथा कुशेश्वरस्थान विधानसभा क्षेत्र, दोनों स्थानों से हमारे पार्टी के प्रत्याशी, चुनाव जीतेंगे, और नीतीश कुमार का विदायी तय है.

ध्यातव्य हो कि तारापुर विधानसभा क्षेत्र के लोजपा प्रभारी, मनोज कुमार सिंह तथा प्रदेश संगठन मंत्री, संजय सिंह अपने पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए रंगा पाताल, रामपुर, बरहौनिया, मिल्की मंजरा, रतनपुरा, गनैली, झिकती घौसपुर सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर घर घर पहुंचकर मतदाताओं से मुलाकात की. मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि बिहार सरकार अपनी पूरी कैबिनेट को तारापुर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव में झोंक दिया है. लेकिन इस बार तारापुर की जनता ने न सिर्फ तारापुर, बल्कि दोनों उप चुनाव के बाद बिहार में सरकार का भी बदलाव कर देगी. लोजपा के पक्ष में जनता गोलबंद हो गई है. महिलाएं तथा युवा हमारे दल के साथ जुड़े रहे हैं, तथा यहां जनता दल यूनाइटेड, तीसरे नंबर पर चल रही है. यहां के लोगों में माननीय, चिराग पासवान के प्रति भी जनता के बीच काफी स्नेह प्यार देखने को मिल रहा है.

बिहार औरंगाबाद के पंचायत चुनाव में विजेता

औरंगाबादः (बिहार) रफीगंज प्रखंड अंतर्गत पौथू पंचायत, उत्तरी से इस बार साधना सिंह ने निवर्तमान, पंचायत समिति, प्रियंका देवी को पराजित कर विजेता बन गई. विजेता बनी साधना सिंह को जहां पंचायत वासियों ने योग्यता की कद्र करते हुए कुल 997 मत दिया. वही निवर्तमान, पंचायत समिति, प्रियंका देवी को पंचायत वासियों ने इस बार के पंचायत चुनाव में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया. जिसे मात्र 331 मतों से ही संतोष करना पड़ा. क्योंकि निवर्तमान, पंचायत समिति के घर से ही इस बार पंचायत चुनाव में चचेरी गोतनी, सुनीता देवी भी चुनाव मैदान में थी. इसी वजह से पंचायत वासी भी दोनों प्रत्याशियों से चुनाव के पूर्व ही काफी असंतुष्ट दिख रहे थे. जिसका संवाददाता ने भी चौथे चरण में बुधवार दिनांक 20 अक्टूबर 2021 को संपन्न पंचायत चुनाव से पूर्व ही न्यूज को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. लेकिन वही पंचायत समिति पद की विजेता बनी साधना सिंह को पंचायत वासियों ने जो भरोसा करते हुए पंचायत समिति बना दिया. उसका मुख्य वजह है कि इनके ससुर सेवानिवृत्त शिक्षक सह समाजसेवी कामदेव शर्मा भी शुरू से ही जात पात से ऊपर उठकर सभी वर्गों को सम्मान करते हुए निरूस्वार्थ भाव से सेवा करते रहे.

इसलिए पंचायत वासियों ने भी गुरुजी के विचारों का सम्मान करते हुए पुत्र वधू को अपना अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए पंचायत समिति का विजेता बना ही दिया. इसके अलावे विजेता बनी साधना सिंह के पति छोटे कुमार भी अपने गांव के विकास हेतु हमेशा तत्पर रहे, तथा पटना में रहकर टैक्स प्रैक्टिशनर, अधिवक्ता के रूप में भी कार्य करते रहे हैं. जिसमें विजेता बनी पत्नी, साधना सिंह ने भी इनका टैक्स प्रैक्टिशनर के रूप में ही सदैव साथ देती रही, क्योंकि इन्होंने भी बी0कॉम की डिग्री प्राप्त की है. इसके अलावे पौथू पंचायत, उत्तरी से अस्मिता कुमारी ने 723 मत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही.

ललिता देवी ने 358 मत प्राप्त कर तृतीय स्थान, निवर्तमान पंचायत समिति, प्रियंका देवी, चौथे स्थान, सुनीता देवी (02) ने 205 मत प्राप्त कर पांचवा स्थान तथा सुनीता देवी (01) ने मात्र 75 मत प्राप्त कर अंतिम पायदान यानी कि छठे स्थान पर रही. इस प्रकार पोथू पंचायत, उतरी से कुल पंचायत समिति, प्रत्याशियों की संख्या भी मात्र 06 ही थी.

—अजय पांडेय

औरंगाबाद वासियों को कानूनी मदद, नालसा ऐप तथा डीएलएसए औरंगाबाद, यु ट्युब पर भी

औरंगाबादः (बिहार) शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद, सचिव प्रणव शंकर ने पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर 4 जी सोशल मीडिया का लाभ आम आदमी को दिलाने हेतु बात कही है. सचिव ने कहा है कि 02 अकटुबर 2021 गांधी जयंती से प्रारंभ है. जो जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के विधिक जागरूकता अभियान 14 नवम्बर 2021 तक चलेगी. पहली बार जिले के अधिकांश भागों में आम लोगों को विधिक साक्षरता, विधिक जागरूकता अभियान से किया जाएगा. इसलिए सभी पैनल अधिवक्ता, काफी सक्रिय होकर अपना अपना योगदान दे, तथा अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और उनके हर तरह के कानूनी मदद दिलाने का प्रयास करें. उक्त बातो की जानकारी पैनल अधिवक्ता, सतीश कुमार स्नेही ने दिया.

भाजपा सांसद ने रसायन उर्वरक, मंत्री से दिल्ली में मुलाकात कर पत्र के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराया

औरंगाबादः (बिहार) औरंगाबाद, भाजपा सांसद, सुशील कुमार सिंह ने भारत सरकार के रसायन उर्वरक, मंत्री, मनसुख मांडवीया से दिल्ही में मुलाकात कर पत्र के माध्यम से मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि बिहार के गया तथा औरंगाबाद जिले में समय पर डी0ए0पी0 और यूरिया खाद उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा भी किया. सांसद ने पत्र के माध्यम से कहा है कि खरीफ मौसम में यूरिया की उपलब्धता की कमी से किसानों को हुई परेशानी को देखते हुए पिछले अनुभव के आधार पर अभी से ही रबी फसल के लिए उर्वरक डी0ए0पी0 तथा यूरिया की उपलब्धता आवश्यकतानुसार करने का अनुरोध करता हुँ.

ज्ञातव्य हो कि दोनों जिले गया तथा औरंगाबाद से राज्य के माध्यम से उर्वरक की आवश्यकता का विवरण भेजा गया है. इस वर्ष समय पर बारिश होने के कारण खेतों में नमी है. जिससे अधिक रकबे में रबी की बुआई की संभावना है. अतः मेरे संसदीय क्षेत्र के किसानों के हित में निवेदन होगा कि आवश्यकतानुसार समय पर डी0ए0पी0 तथा यूरिया खाद उपलब्ध कराने का आदेश संबंधित अधिकारी को देने का कष्ट करेंगे.

The Prime Minister, Shri Narendra Modi inaugurates and lays foundation stone of various development projects, in Kushinagar, Uttar Pradesh on October 20, 2021. The Governor of Uttar Pradesh, Smt. Anandiben Patel, the Chief Minister of Uttar Pradesh, Yogi Adityanath and other dignitaries are also seen.

The Ambassador of Hungary to India, Mr. Andras Laszlo Kiraly calling on the Union Minister for Environment, Forest & Climate Change, Labour & Employment, Shri Bhupender Yadav, in New Delhi on October 20, 2021.

The Minister of State for Science & Technology and Earth Sciences (I/C), Prime Minister's Office, Personnel, Public Grievances & Pensions, Atomic Energy and Space, Dr. Jitendra Singh reviews the progress of Special Campaign launched on 2nd October for disposal of pendency in Government of India, in New Delhi on October 20, 2021.

The Director-General, World Trade Organization (WTO), Ms. Ngozi Okonjo-Iweala meeting the Union Minister for Commerce & Industry, Consumer Affairs, Food & Public Distribution and Textiles, Shri Piyush Goyal, in New Delhi on October 20, 2021.

The Union Home and Cooperation Minister, Shri Amit Shah interacting with the villagers in Makwal, a border village, in Jammu on October 24, 2021. The Lt. Governor of Jammu and Kashmir, Shri Manoj Sinha is also seen.

The Union Minister for Defence, Shri Rajnath Singh inaugurating a photo exhibition on 1971 war, during a three-day conclave to commemorate 'Swarnim Vijay Varsh', organised by the Indian Air Force, at Yelahanka Air Force Station, in Bengaluru on October 22, 2021.

The Minister of State for Fisheries, Animal Husbandry & Dairying, Information and Broadcasting, Dr. L. Murugan felicitating the Staff of Medical & Health Department for extending Covid Vaccination to people as a part of achieving 100 Cr. Vaccinations in the Country under the "Atma Nirbhar Bharat", in Tirupati, Andhra Pradesh on October 22, 2021.

The Union Minister for Environment, Forest & Climate Change, Labour & Employment, Shri Bhupender Yadav launching the revamped logo of the Chief Labour Commissioner (Central) organisation, in New Delhi on October 20, 2021.

भारत के खिलाफ पाक के कप्तान बाबर और रिजवान ने रचा इतिहास

नई दिल्लीः आखिरकार वो पल आ ही गया, जिसका इंतजार दुनियाभर के क्रिकेटप्रेमी कई साल से कर रहे थे.

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है. टॉस के बाद कप्तान कोहली ने कहा, हम टॉस जीतकर गेंदबाजी करना चाहते थे. कोहली ने कहा, इशान किशन, आर अश्विन, शार्दुल ठाकुर और राहुल चाहर चार ऐसे खिलाड़ी हैं जो आज नहीं खेल रहे हैं. पाकिस्तान टीम में हैदर अली को बाहर कर दिया गया है.

जहां एक ओर भारतीय टीम अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी, तो वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम रिकॉर्ड तोड़ने उतरेंगे. तथ्य यह है कि टी 20 वर्ल्ड कप मुकाबलों में पाकिस्तान की टीम एक बार भी भारत को नहीं हरा पाई है. टी 20 वर्ल्ड कप के पांच मुकाबलों में भारतीय टीम अजेय है. पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, फखर जमान, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, आसिफ अली, इमाद वसीम, शादाब खान, हसन अली, शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ शामिल हैं.

भारत 15 ओवर में तिहरे अंक तक पहुंच पाया. भारत एक समय तीन विकेट पर 31 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था. शाहीन शाह अफरीदी ने 31 रन देकर तीन विकेट लिए.

पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के पहले मैच में रविवार को भारत को 10 विकेट से हरा दिया.पहली बार भारत को आईसीसी टी20 विश्व कप में हराया है. टी20 विश्व कप के 2007 में शुरू होने के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान को पांचों मैच में पराजित किया था.

पाक के कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने अर्धशतकीय पारी खेली. बाबर आजम ने 52 गेंद में नाबाद 68 रन की पारी खेली और रिजवान ने 55 गेंद में 79 रन की पारी खेली. भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे. किसी ने विकेट नहीं लिया. अगर आईसीसी के वनडे और टी20 विश्व कप की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सभी 12 मैचों में जीत दर्ज की थी.

कोहली ने रिजवान को लगाया गले, क्यूं फैली सनसनी...

दुबईरू टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा. इस हार के बावजूद टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने कुछ ऐसा किया, जिसकी हर जगह तारीफ हो रही है.विराट कोहली ने हार के बावजूद पाकिस्तानी टीम के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को गले लगा लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. विराट कोहली ने पाकिस्तान की शानदार जीत के बाद बाबर आजम को लगे लगाकर उन्हें जीत की बधाई दी.

विराट कोहली ने इसके बाद मोहम्मद रिजवान को भी गले गलाया. दोनों पाकिस्तानी क्रिकेटर भी कोहली के साथ हंसी से गले मिले. इस दौरान दोनों के चेहरे पर काफी हंसी दिख रही थी. दोनों पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 107 गेदों पर 152 रन की शतकीय और रिकॉर्ड साझेदारी की. पाकिस्तान का भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अबतक की यह सबसे बड़ी साझेदारी है.

पाकिस्तान के मैच जीतते ही मोहम्मद रिजवान मैदान के चारों और भागते हुए नजर आए. इस दौरान मोहम्मद रिजवान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भारतीय कप्तान विराट कोहली उन्हें गले लगाते हुए दिख रहे हैं. फैंस इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं. टीम इंडिया को हराकर कप्तान विराट कोहली को गले लगाने वाला रिजवान का अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. पाकिस्तान के लिए रिजवान ने 55 गेंदों में 79 रनों की शानदार पारी खेली थी.

भारत के खिलाफ इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने ये साबित कर दिया है कि उन्हें आखिरकार क्यों इस वर्ल्ड कप का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. इस मुकाबले से पहले पाकिस्तान अभी तक किसी भी वर्ल्ड कप में भारत को नहीं हरा पाया था, चाहे वो 50–ओवर का हो या टी 20 फॉर्मेट का. भारतीय टीम के पास वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 13–0 तक का करने का मौका था. 1992 के बाद से, भारत और पाकिस्तान 12 बार वर्ल्ड कप में आमने–सामने हुए थे, जिसमें से भारत का वनडे में 7–0 और टी–20 में 5–0 का रिकॉर्ड रहा था.

टी20 वर्ल्ड में रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए महामुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया. टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने भारत पर यह पहली जीत दर्ज की है. इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही. भारत ने पाकिस्तान को महज 152 रनों का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में 152 रनों का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम ने 17.5 ओवरों में ही लक्ष्य को पूरा कर लिया. मैच के हीरो रहे कप्तान बाबर आजम और रिजवान ने अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई.

पहली इनिंग में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के ऑपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा और केएल राहुल सस्ते में ही निपट गए. वहीं, कप्तान विराट कोहली ने 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 57 रन की शानदार पारी खेली. इस दौरान ऋषभ पंत ने भी 2 चौके और 2 छक्के की मदद से 39 रन बनाए, लेकिन पाकिस्तान टीम की सधी गेंदबाजी के कारण भारत बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहा. दूसरी इनिंग में रनों का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने अर्धशतकीय पारी खेल कर भारत पर अब तक खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के मैचों में पहली जीत हासिल की. वहीं, इन दोनों की पारियों की बदौलत टूर्नामेंट में टीम ने जीत से आगाज किया. पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद रिजवान ने 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 79 रन बनाए. वहीं, कप्तान बाबर आजम ने 6 चौके और 2 छक्के जड़कर 68 रनों की शानदार पारी खेली.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

दुबई में ट्वेंटी–ट्वेंटी क्रिकेट विश्व कप में ग्रुप–एक के मैच में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया है। 144 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 19वें ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया. रस्स वैन डेर डसन ने नाबाद 43 रन और एडेन मार्क्राम ने नाबाद 51 रन की पारी खेली. रीजा हेंड्रिक्स ने 39 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से अकील होसिन ने एक विकेट लिया.

इससे पहले वेस्टइंडीज ने आठ विकेट पर 143 रन बनाए थे. एविन लुईस ने 56 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ड्वेन प्रिटोरियस ने तीन और केशव महाराज ने दो विकेट हासिल किए.